[123/A-65] Seat No. ________ No. of printed page: 01

SARDAR PATEL UNIVERSITY
MA (IV- Semester) Examination
Monday, 3rd April
2017
2.00 pm - 5.00 pm
PA04CHIN01 : Hindi
पाश्चात्य काव्यशास्त्रः सिद्धांत एवं वाद

कुल गुण : ७०

प्र.१ अरस्तू के काव्यसिद्धांत पर विचार कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.१ कॉलरिज के कल्पना सिद्धांत को समझाइए ।

प्र.२ वर्ड्सवर्थ की काव्य संबंधी अवधारणा की चर्चा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.२ 'शैली विज्ञान' की स्थापनाओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र.३ टी.एस. इलियट के किन्हीं दो काव्य सिद्धांतों का निरूपण कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.३ आइ.ए. रिचर्ड्स के 'संवेगों का संतुलन' काव्य सिद्धांत पर विचार करिए ।

प्र.४ टिप्पणी लिखिए । (१८)

(क) प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत

अथवा

(क) मनोविश्लेषणवाद में फ्रायड का चिंतन

(ख) मार्क्सवाद में 'आधार और अधिरचना'

अथवा

(ख) स्वच्छंदतावाद की मुख्य विशेषताएँ

☺☺☺☺☺

[73/A-39] Seat No. __________ No. of printed page: 01

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (IV - Semester) Examination
Thursday, 6th April
2017
2.00 pm - 5.00 pm
PA04CHIN02 : Hindi

आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास ।

कुल गुण : ७०

प्र. १ पुनर्जागरण में राजाराममोहन राय की भूमिका की विस्तार से चर्चा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.१ छायावाद युग की काव्य-प्रवृत्तियों को समझाइए ।

प्र.२ प्रगतिवाद की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए । (१८)

अथवा

प्र.२ नई कविता के स्वरूप एवं संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

प्र.३ हिन्दी नाटक के विकास को रेखांकित करते हुए प्रसाद के नाटकों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (१७)

अथवा

प्र.३ दक्खिनी हिन्दी का अर्थ एवं परिभाषा देते हुए दक्खिनी हिन्दी के विकास की चर्चा कीजिए ।

प्र.४ **किन्हीं दो पर** टिप्पणी लिखिए । (१८)
(अ) द्विवेदी युग ।
(ब) हिन्दी कहानी
(क) प्रयोगवाद ।
(ड) नवगीत ।

☺☺☺☺☺

[68/A-35] Seat No. ____________ No. of printed pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (IV Semester) Examination
Saturday, 8th April 2017
2.00 pm - 5.00 pm
PA04CHIN03 : Hindi
छायावादोत्तर काव्य

Total Marks: 70

प्र.१ दिनकर कृत 'उर्वशी' की मुख्य कथा एवं इसके स्रोत बताते हुए इस काव्य के तृतीय अंक का महत्त्व स्पष्ट करें । (१७)

अथवा

प्र.१ अज्ञेय का साहित्यिक परिचय देते हुए संवेदना एवं शिल्प की दृष्टि से 'नदी के द्वीप' कविता की समीक्षा कीजिए ।

प्र.२ 'नागार्जुन के काव्य में संवेदना के विविध स्तर' – इस विषय की सोदाहरण चर्चा करें । (१७)

अथवा

प्र.२ मुक्तिबोध की 'अंधेरे में' कविता के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए इस कविता के शिल्पपक्ष को सोदाहरण समझाइए।

प्र.३ टिप्पणी लिखें (**किन्ही दो**) : (१७)

(१) 'अँधेरे में' काव्य का केन्द्रीय पात्र
(२) 'असाध्य वीणा' में वर्णित विषय वस्तु
(३) 'उर्वशी' की पात्र सृष्टि
(४) नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं रचना संसार

प्र.४ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए । (१८)

(क) उमर है लगभग पचपन साल की
पेशा से प्राइमरी स्कूल का मास्टर था
तनखा थी तीस, सो भी नहीं मिली
मुश्किल से काटे हैं
एक नहीं, दो नहीं, नौ–नौ महीने !
धरनी थी, माँ थी, बच्चे थे चार
आ चुके हैं वे भी दया सागर करूणा के अवतार
आपकी ही छाया में !
मैं ही था बाकी
क्योंकि करमी की पत्तियाँ अभी कुछ शेष थीं
हमारे अपने पुश्तैनी पोखर में
मनोबल शेष था, सूखे शरीर में.....

अथवा

(क) यह मैं क्या सुन रही? देवताओं के जग से चलकर
फिर मैं क्या फँस गयी किसी सुर के ही बाहु-वलय में?
अन्धकार की मैं प्रतिभा हूँ? जबतक हृदय तुम्हारा
तिमिर-ग्रस्त है, तब तक ही मैं उस पर राज करूँगी?
और जलाओगे जिस दिन तुम बुझे हुए दीपक को,
मुझे त्याग दोगे प्रभात में रजनी की माला-सी?

(ख) चक्र से चक्र लगा हुआ है....
जितना ही तीव्र है द्वंद्व क्रियाओं घटनाओं का
बाहरी दुनिया में,
उतनी ही तेजी से भीतरी दुनिया में
चलता है द्वंद्व कि
फिक्र से फिक्र लगी हुई है ।
आज उस पागल ने मेरी चैन भूला दी,
मेरी नींद गँवा दी ।

अथवा

(ख) तेरी काया को छेद, बांध कर रची गई वीणा को
किस स्पर्धा से
हाथ करें आघात
छीनने को तारों से
एक चोट में वह संचित संगीत जिसे रचने में
स्वयं न जाने कितनों के स्पन्दित प्राण रच गये!
''नहीं, नहीं! वीणा यह मेरी गोद रखी है, रहे,
किन्तु मैं ही तो
तेरी गोद में बैठा मोद-भरा बालक हूँ,
ओ तरू-तात! सँभाल मुझे
मेरी हर किलक
पुलक में डूब जायः
मैं सुनूँ,
गुनूँ
विस्मय में भर आँकू

*****

[67-A-30] Seat No. ________ No. of printed pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (HINDI) (IV Semester) Examination
Saturday, 15th April 2017
2.00 p.m. to 5.00 p.m.
HINDI
PA04CHLT10 : हिन्दी साहित्यना इतिहास (Part-II)

कुल गुण : ७०

प्र.१ रीतिकाल की प्रमुख विशेषताओं की विस्तार से चर्चा कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.१ टिप्पणी लिखिए । (१८)

(१) बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ ।

(२) धनानंद की प्रेमव्यंजना

प्र.२ आधुनिक काल की परिस्थितियों की चर्चा कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए । (१८)

(१) भारतेन्दु का व्यक्तित्व कृतित्व ।

(२) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताएँ ।

प्र.३ छायावादी काव्यधारा की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.३ टिप्पणी लिखिए । (१८)

(१) अज्ञेय

(२) प्रसाद की राष्ट्रीय भावना

प्र.४

(अ) टिप्पणी लिखिए : (**कोई एक**) (०९)

(१) रीतिमुक्त काव्यधारा ।

(२) प्रकृति के कवि पंत ।

(ब) अति संक्षेप में उत्तर लिखिए: (**कोई सात**) (०७)

(१) रीतिकाल को अन्य किस नाम से जाना जाता है ।

(२) रीतिकाल का प्रमुख विषय क्या है ?

(३) रीतिकाल के अधिकांश कवियों की भाषा क्या है ?

(४) बिहारी सतसई के दोहे की संख्या कितनी है ?

(५) छायावाद के चार स्तंभो के नाम लिखिए ।

(६) आधुनिक युग का प्रवर्तक किसे माना जाता है ।

(७) 'दिनकर' का पूरा नाम क्या है ?

(८) हिन्दी आधुनिक काव्य की मीरा किसे कहते है ?

(९) द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य भाषा क्या है ?

▽▽▽▽▽

[103 & A-50] Seat No. ________ No. of printed page : 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (HINDI) (VI Semester) Examination
2017
Tuesday, 11th April
2.00 p.m. to 5.00 p.m.
HINDI
PA04EHIN02 : तुलनात्मक साहित्य : सैद्धान्तिक पक्ष

कुल गुण : ७०

प्र.१ तुलनात्मक साहित्य का अर्थ और अवधारणा स्पष्ट कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.१ तुलनात्मक साहित्य की विविध परिभाषाएँ देते हुए पुनर्सर्जन पर प्रकाश डालिए । (१७)

प्र.२ तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका विषयक चर्चा कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.२ भारतीय साहित्य क्या है ? समझाइए । (१८)

प्र.३ तुलनात्मक साहित्य के विविध क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए । (१७)

अथवा

प्र.३ विश्वसाहित्य क्या है ? विस्तार से समझाइए । (१७)

प्र.४ तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की सादृश्य-विसादृश्य पद्धतियों पर प्रकाश डालिए । (१८)

अथवा

प्र.४ तुलनात्मक साहित्य की प्रभाव-ग्रहण पद्धति को समझाइए । (१८)

VVVV

[106/A-56] Seat No. _____________ No. of printed pages : 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (IV Semester) Examination
Thursday, 13th April 2017
2.00 pm - 5.00 pm
PA04EHIN04 : HINDI
तुलनात्मक साहित्य : सर्जनात्मक पक्ष

Total Marks: 70

प्र.१ 'गोरा' उपन्यास का सोदाहरण विवेचन कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.१ 'गोरा' कृति के मुख्य चरित्रों का चित्रण कीजिए ।

प्र.२ 'ऑथेलो' नाटक का परिचय प्रस्तुत कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.२ ऑथेलो का चरित्रांकन कीजिए ।

प्र.३ 'मृच्छकटिकम्' नाटक की चर्चा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.३ 'मृच्छकटिकम्' के किसी एक पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

प्र.४ 'कंकू' कहानी की समीक्षा कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.४ 'वात्रक के किनारे' कहानी का विवेचन कीजिए ।

*****

SEAT No.________ SARDAR PATEL UNIVERSITY No. of Printed Pages : 1

[A-34] M.A. SEMESTER-4 Examination -2017

CODE: PA04SHIN02 Critical thinking and problem solving skill

DATE: 19/04/2017, Wednesday TIME: 2:00 p.M. to 5:00 P.M. MARKS: 35

પ્રશ્ન 1 વસ્તુલક્ષી પ્રશ્નોના ઉત્તર આપો. 5

1) જ્ઞાનાત્મક ક્ષેત્રમાં નીચેનામાંથી કઇ બાબતનો સમાવેશ કરવામાં આવતો નથી?

અ) જ્ઞાન બ) સૂઝ ક) સમન્વય ડ) પ્રતિસાદ

2) બ્લુમ વર્ગીકરણના કુલ કેટલા ભાગો છે?

અ) બે બ) ત્રણ ક) ચાર ડ) પાંચ

3) વ્યકિતગત કૌશલ્યમાં વિશેષ શાની જરૂર હોય છે?

અ) નિયમિતતા બ) સમયપાલન ક) પ્રામાણિકતા ડ) અ અને બ બન્નેની

4) મૌખિક કુશળતામાં નીચેનામાંથી કઇ બાબતનો સમાવેશ કરવામાં આવતો નથી?

અ) લેખન બ) વાંચન ક) વાણી ડ) ઇંગિતો

5) નીચેનાં વિધાનો તપાસો.

વિધાન-અ સમસ્યા નિરાકરણ માટે આત્મવિશ્વાસ ખૂબ જ જરૂરી છે.

વિધાન-બ જટિલ વિચારસરણીનો હેતુ અસરકારક સંદેશા વ્યવહારનો છે.

અ. બન્ને વિધાન સાચાં બ. બન્ને વિધાન ખોટાં

ક. વિધાન અ સાચું પણ બ ખોટું ડ. વિધાન બ સાચું પણ અ ખોટુ

પ્રશ્ન : 2 વ્યકિતગત કુશળતા(personol skill) એટલે શું? તે જણાવી સમય પાલન અને નિયમિતતા અંગે ટૂંકમાં સમીક્ષા કરો. 15

અથવા

ટૂંક નોંધ લખો. (બન્ને)

અ) ટાઇમ મેનેજમેન્ટ બ) મૌખિક કૌશલ્યો અને અમૌખિક કૌશલ્યો

પ્રશ્ન:3 જટિલ વિચારસરણી એટલે શું ? તે જણાવી સમસ્યા નિવારણ માટે અગત્યના પાસાની ચર્ચા કરો. 15

અથવા

ટૂંક નોંધ લખો. (બન્ને)

અ) સમજશકિત ઉપયોગી શરત બ) જટિલ વિચારસરણીનો હેતુ

---x---x---

[52/A-42] SEAT No.________ No. of Printed Pages: 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A. IV[th] Semester EXAMINATION

Monday,17[th] April-2017

02-00 p.m.to 05-00 p.m.

PA04SHIN04: Hindi

(साहित्य चिंतन की भूमिका)

पूर्णांक : 70

प्रश्न-1. दलित चिंतन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा (17)

डार्विन के विकासवादी चिंतन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-2. महात्मा गांधी के चिंतन के विविध पक्षों की चर्चा करें।

अथवा (18)

नारी विमर्श की यात्रा को उजागर कीजिए।

प्रश्न-3. अम्बेडकर के आदर्श समाज की परिकल्पना को विस्तार से समझाइए।

अथवा (17)

मार्क्सवादी चिंतन की विशेषताओं को उजागर कीजिए।

प्रश्न-4. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए- (18)

क. दलित चिंतन का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव

अथवा

दलितोद्धार और अम्बेड़कर

ख. नारी विमर्श और हिन्दी साहित्य

अथवा

सत्य, अहिंसा और गाँधी

-----x---x-----